हरिभूमि
सीहोर भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, शुक्रवार 24 अप्रैल 2026
सीहोर | नसरुल्लागंज | रेहटी | इछावर | कोठरी | श्यामपुर | शाहगंज | कालापीपल | जावर

04 स्कूल चले अभियान की खुली पोल : 425 में से ...

07 भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने बाल कल्याण समिति ने...

खबर संक्षेप

सीहोर में आधार सेवाओं का मेगा अभियान डाकघरों में लगेंगे शिविर

सीहोर। समस्त आम नागरिकों को सूचित किया जाता है कि शनिवार को सुबह 8 बजे से सायं 6 बजे तक सीहोर जिला अंतर्गत सीहोर प्रधान डाकघर, सीहोर सिटी उपडाकघर, आष्टा उपडाकघर, इछावर उपडाकघर, रेहटी उपडाकघर, भैरुंदा उपडाकघर एवं बुधनी उपडाकघर में आधार नामांकन एवं अपडेट हेतु विशेष अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इस विशेष अभियान के अंतर्गत नागरिक अपने आधार कार्ड में आवश्यक संशोधन जैसे नाम, पता, जन्मतिथि, मोबाइल नंबर, बायोमेट्रिक अपडेट आदि आसानी से करवा सकते हैं। यह सुविधा भारत सरकार द्वारा निर्धारित शुल्क पर उपलब्ध रहेगी। अभियान के दौरान संबंधित डाकघरों में अतिरिक्त व्यवस्थाएं की गई हैं ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को शीघ्र एवं सुगम सेवा प्रदान की जा सके। नागरिकों से अनुरोध है कि शनिवार के आधार नामांकन एवं अपडेशन के विशेष अभियान के लिए 24 अप्रैल को डाकघर में टोकन प्रदान किए जायेंगे। वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने आधार से संबंधित कार्य समय पर पूर्ण कराएं। समस्त नागरिकों से अपील है कि वे शनिवार को सुबह 8 बजे से सायं 6 बजे तक सीहोर प्रधान डाकघर, सीहोर सिटी उपडाकघर, आष्टा उपडाकघर, इछावर उपडाकघर, रेहटी उपडाकघर, भैरुंदा उपडाकघर एवं बुधनी उपडाकघर में पहुंचकर इस विशेष अभियान का अधिकतम लाभ उठाएं।

10वीं-12वीं की द्वितीय परीक्षा के लिए आवेदन अब 26 अप्रैल तक

सीहोर। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने गुरुवार को विद्यार्थियों के हित में एक बड़ा निर्णय लिया है। वर्ष 2026 की हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी द्वितीय परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि बढ़ा दी है। अब विद्यार्थी 26 अप्रैल तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इस संबंध में मंडल ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश के सचिव बुद्धेश कुमार वैद्य ने बताया कि विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि पहले आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 अप्रैल 2026 थी। अब विद्यार्थी एमपी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से 26 अप्रैल तक हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी द्वितीय परीक्षा के आवेदन कर सकते हैं। शेष नियम-निर्देश पूर्ववत रहेंगे।

सीहोर की मिट्टी और जलवायु शरबती गेहूं के लिए वरदान मानी जाती है

संकट में सीहोर की 'सुनहरी पहचान', देश के महानगरों की पसंद 'शरबती' का रकबा साल दर साल घटा

साल 2011-12 में शरबती का रकबा 49,627 हेक्टेयर हुआ करता था, जो साल 2024.25 में 40 हजार हेक्टेयर रह गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जिला सीहोर जिसे पूरे भारत में 'शरबती गेहूं' के भंडार के रूप में जाना जाता है, आज अपनी इसी खास पहचान को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। कभी खेतों में लहलहाने वाला सुनहरी चमक वाला शरबती गेहूं अब सरकारी आंकड़ों में सिमटता जा रहा है। कृषि विभाग के हालिया आंकड़े चौंकाने वाली सच्चाई बयां कर रहे हैं कि विगत 13 वर्षों में सीहोर में शरबती का रकबा और उत्पादन दोनों में भारी गिरावट दर्ज की गई है।

बता दें सीहोर की मिट्टी और जलवायु शरबती गेहूं के लिए वरदान मानी जाती है। इसकी चमक, स्वाद और गुणवत्ता के कारण ही मुंबई, पुणे, कोलकाता और गुजरात जैसे राज्यों के महानगरों में इसकी भारी मांग रहती है। बड़े शहरों के रईसों की थाली की शोभा बढ़ाने वाला यह गेहूं अच्छे भाव बिकता है, लेकिन अब उत्पादन घटने से इसकी मिठास कम होती दिख रही है।

49 हजार से 40 हजार हेक्टेयर पर सिमटा रकबा : कार्यालय उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार साल 2011-12 में शरबती का रकबा 49 हजार 627 हेक्टेयर हुआ करता था, जो साल 2022-23 तक आते.आते घटकर महज 34,800 हेक्टेयर रह गया है।

हालांकि बीच-बीच में रकबे में मामूली सुधार देखा गया, लेकिन कुल मिलाकर रुझान गिरावट की ओर ही है। 13 साल पहले जहां उत्पादन 1,37,318 मीट्रिक टन था, वह अब गिरकर 1 लाख मीट्रिक टन के आसपास ही सिमट कर रह गया है।

कृषि विभाग के सामने यह चुनौती

आगामी सीजन के लिए कृषि विभाग के सामने बड़ी चुनौती है कि वह शरबती के रकबे को फिर से पुराने स्तर पर कैसे लेकर आए। विभाग नलकूपों की कमी और सिंचाई के बढ़ते संकट के बीच किसानों को पारंपरिक शरबती उगाने के लिए प्रोत्साहित करने की योजना बनाए।

पिछले कुछ वर्षों के आंकड़े

2011-12: 49,627 हेक्टेयर रकबा, उत्पादन 1.37 लाख मीट्रिक टन
2017-18: 42,700 हेक्टेयर रकबा, उत्पादन 1.16 लाख मीट्रिक टन
2020-21: 35,200 हेक्टेयर रकबा, उत्पादन 1.00 लाख मीट्रिक टन
2024-25: 40,390 हेक्टेयर रकबा, उत्पादन 1.10 लाख मीट्रिक टन

क्यों मोहभंग हो रहा है किसानों का

कृषि विशेषज्ञों और स्थानीय किसानों का कहना है कि शरबती के रकबे में कमी आने के कई प्रमुख कारण हैं, जिसमें बेमौसम बारिश और बढ़ती गर्मी ने शरबती की चमक और गुणवत्ता पर असर डाला है। शरबती की खेती में अन्य किस्मों की तुलना में अधिक सावधानी और विशेष जलवायु की आवश्यकता होती है। अधिक पैदावार देने वाली गेहूं की अन्य नई किस्मों की ओर किसान आकर्षित हो रहे हैं, क्योंकि उनमें बीमारी लगने का खतरा कम होता है। बाजार में शरबती को वह प्रीमियम दाम कई बार नहीं मिल पाता, जिसकी किसान उम्मीद करते हैं।

कहीं खो न जाए पहचान

गौरतलब है कि यदि समय रहते शरबती के संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो वह दिन दूर नहीं जब सीहोर की यह विश्वप्रसिद्ध पहचान सिर्फ इतिहास के पन्नों तक सीमित रह जाएगी। किसानों की मांग है कि शरबती के लिए विशेष प्रोत्साहन योजनाएं और अलग से मार्केटिंग की व्यवस्था की जाए ताकि महानगरों तक सीधे पहुंच बने और बिचौलियों का असर कम हो।

विद्युत वितरण उपकेंद्र के यार्ड में बैठकर मादक पदार्थों का सेवन करने वाले कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

विगत दिवस सोशल मीडिया के माध्यम से बाह्यस्त्रोत कर्मचारियों द्वारा सिद्धिकगंज विद्युत वितरण केंद्र के अंतर्गत स्थापित 33/11 केव्ही उपकेंद्र के यार्ड में बैठकर मादक पदार्थों का सेवन करते हुए विडियो सामने आया था। इस कृत्य के लिए सेवा प्रदाता कंपनी मेसर्स बॉम्बे इंटीग्रेटेड (इंडिया) प्रा.लि. द्वारा इन बाह्यस्त्रोत कर्मचारियों (जितेन्द्र, लखन, कुलदीप) की सेवाएं तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है और इन कर्मचारियों को ब्लैक लिस्ट कर दिया गया है। इसके साथ ही उपकेन्द्र पर पदस्थ अन्य संविदा कर्मचारी धर्मेन्द्र बकोरिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है और इस लापरवाही के लिए संबंधित का स्थानांतरण अन्य संभाग में करने के लिए वरिष्ठ कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया है।

सीहोर रेलवे स्टेशन पर ओवरनाइट एक्सप्रेस के ठहराव की मांग की

सीहोर। भोपाल संसदीय क्षेत्र के सांसद आलोक शर्मा ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंटकर ट्रेन - इंदौर–जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस का ठहराव सीहोर रेलवे स्टेशन पर सुनिश्चित किए जाने की बहुप्रतीक्षित मांग को रखा। जिला मीडिया प्रभारी प्रितेश राठौर ने बताया कि सांसद शर्मा ने रेलमंत्री को सौंपे गए अपने पत्र में उल्लेख किया है, कि सीहोर नगर धार्मिक एवं पर्यटन दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। यहां स्थित कुबेरेश्वर धाम में देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं पर्यटक निरंतर आते-जाते रहते हैं। वर्तमान में सीहोर रेलवे स्टेशन पर सीमित ट्रेनों का ही ठहराव होने से यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आगे बताया कि सीहोर में शैक्षणिक, व्यावसायिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिसके चलते रेलवे सेवाओं की मांग भी तेजी से बढ़ी है। ऐसी स्थिति में इंदौर–जबलपुर ओवरनाइट एक्सप्रेस का सीहोर में ठहराव अत्यंत आवश्यक हो गया है। सांसद श्री शर्मा ने रेल मंत्री से आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए उक्त ट्रेन का ठहराव सीहोर रेलवे स्टेशन पर शीघ्र प्रारंभ करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए।

नामांकन शुल्क में 42 से 100 प्रतिशत तक बढ़ोतरी

सीहोर । भारी फीस, महंगी किताबों के बाद अब हाई स्कूल और हायर सेकंडरी कक्षाओं की पढ़ाई और महंगी हो गई है। माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने नामांकन, परीक्षा, ग्राह्यता शुल्क सहित अन्य शुल्कों में 42 से लेकर 100 फीसदी तक की भारी बढ़ोतरी कर दी है। इस बेतहाशा वृद्धि का सीधा असर इस सत्र में नामांकन दाखिल करने वाले और बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले विद्यार्थियों पर दिखाई देगा। विद्यार्थियों का कहना है कि फीस पहले ही बहुत है।

ऐसे में अब नामांकन, परीक्षा शुल्क आदि से आगे की पढ़ाई मुश्किल हो जाएगी। बता दें कि माशिमं की 10वीं एवं 12वीं की परीक्षा में जिले से हर साल करीब 38 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होते हैं। वहीं 9वीं और 11वीं में भी लगभग 30 हजार छात्र नामांकन दाखिल करते हैं। इस शुल्क वृद्धि से जिले के करीब 78 हजार विद्यार्थियों की जेब पर अतिरिक्त भार पड़ेगा। खास बात यह है कि इन दिनों कक्षा 9 में नामांकन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। ऐसे में छात्र बढ़ी हुई फीस से परेशान हैं। अभिभावकों का कहना है कि वैसे ही घर-परिवार में महंगाई बढ़ रही है। अब पढ़ाई भी महंगी हो गई है।

दि ऑक्सफोर्ड हा.से. स्कूल की छात्रा ईशा पटेल का राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

दि ऑक्सफोर्ड हा.से. स्कूल, सीहोर की छात्रा ईशा पटेल, राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में चयनित होकर जिला सीहोर एवं विद्यालय का नाम रोशन किया। ईशा पटेल ने जिला स्तरीय प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 800 मीटर, 1500 मीटर दौड़ एवं लंबी कूद में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में किया गया था। यह राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता भारत पेट्रोलियम (BPCL) बीना रिफाइनरी द्वारा, मध्यप्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित की जा रही है। ईशा पटेल आगामी दिनांक 26 एवं 27 अप्रैल 2026 को सागर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी।

इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी संजय सिंह तोमर, सहायक डीईओ सलोनी शर्मा, बीईओ दीपा कीर, आवासीय खेलकूद संस्थान प्राचार्य आलोक शर्मा, डी.एस.ओ. अत्ताउल्लाह खान, संकुल प्राचार्या नीना सिंह, संस्था अध्यक्ष एड. जॉली कुरियन व डॉ. बीना जे. कुरियन, आशीष शर्मा, माधव यादव एवं खेल शिक्षक सुमित एवं समस्त स्टाफ ने भी छात्रा की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना की सराहना की।

विश्व पुस्तक दिवस पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित

सीहोर। सीहोर के प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस में विश्व पुस्तक दिवस के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ रोहिताश्व कुमार शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को पुस्तकों का महत्व एवं उनकी उपयोगिता समझाना था, ताकि उनका बौद्धिक एवं नैतिक विकास तेजी से हो और वे निरंतर सफलता के मार्ग पर अग्रसर हो सके। इस अवसर पर मेघा लुटारे, श्रद्धा राठौड़, कमल किशोर कुशवाह सहित विद्यार्थी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत के संबंध में नगर पालिका और बैंक अधिकारियों की बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष संजीव कुमार अग्रवाल के निर्देशानुसार 9 मई को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के सम्बंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव स्वप्नश्री सिंह द्वारा बैंक एवं नगर पालिका के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नेशनल लोक अदालत में बैंक एवं नगर पालिका के अधिक से अधिक लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरण रखने और निराकरण करने के सम्बंध में चर्चा की गई एवं आवश्यक दिशानिर्देश भी दिये गये। बैठक में जिला विधिक सहायता अधिकारी जीशान खान, एलडीएम जयदीप भट्टाचार्य, बैंकों के प्रबंधक उपस्थित थे। इसके साथ ही सभी नगर पालिकाओं के सीएमओ और अन्य अधिकारीगण विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

मानवीय मूल्यों से प्रेरित पहल, श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए रोशनी का नया संकल्प

एमपीआरडीसी व डीबीसीपीएल प्रबंधन ने कुर्बेश्वर धाम के सामने मीडियन के मध्य लगाई हाई मास्क लाइट

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

जनसेवा, संवेदनशीलता और उत्तरदायित्व ये केवल शब्द नहीं, बल्कि एक सशक्त प्रशासन और जिम्मेदार संस्थाओं की पहचान होते हैं। इसी भावना को साकार करते हुए जिलाधिकारी महोदय सीहोर के कुशल निर्देशन में, एमपीआरडीसी एमडी भोपाल के मार्गदर्शन तथा देवास-भोपाल कॉरीडोर प्राइवेट लिमिटेड प्रबंधन द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है।

कुर्बेश्वर धाम, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, वहां आने-जाने वाले मार्ग पर सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। कम दृश्यता के कारण संभावित दुर्घटनाओं को रोकने तथा मार्ग को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने के उद्देश्य से, कुर्बेश्वर धाम के सामने मीडियन के मध्य हाई मास्क लाइट की स्थापना की गई है। यह पहल केवल एक

तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों—सुरक्षा, सेवा और संवेदना—का जीवंत उदाहरण है। अंधेरे में रोशनी की यह व्यवस्था न केवल श्रद्धालुओं के मार्ग को आलोकित कर रही है, बल्कि उनके मन में भी विश्वास और सुरक्षा की भावना को प्रबल कर रही है। जिलाधिकारी महोदय सीहोर की दूरदर्शिता, एमपीआरडीसी भोपाल के नेतृत्व और डीबीसीपीएल प्रबंधन की सामाजिक जिम्मेदारी ने मिलकर यह सिद्ध कर दिया है कि जब प्रशासन और संस्थाएं जनहित के लिए एकजुट होती हैं, तो विकास केवल ढांचागत नहीं बल्कि मानवीय भी होता है।

स्थानीय नागरिकों और श्रद्धालुओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था विशेष रूप से रात्रि के समय अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है और दुर्घटनाओं की संभावना में उल्लेखनीय कमी आएगी

निसंदेह, यह प्रयास न केवल एक मार्ग को रोशन कर रहा है, बल्कि समाज में सुरक्षा, सहयोग और सेवा की भावना को भी प्रज्ज्वलित कर रहा है।

महंत देवगिरि महाराज ने कहा: सनातनधर्म की रक्षा के लिए हिंदू समाज से एकजुट होने का आह्वान

सीहोर। सनातन धर्म की रक्षा के लिए सनातन समाज के सभी लोग आपसी मतभेद भूलकर एकजुट हों। उन्होंने सभी को सनातन धर्म की रक्षा के लिए शपथ भी ग्रहण कराई। हम सभी हिंदू लोग जातिवाद को छोड़कर आपस में एक हो जाएं, तभी हम लोग संगठित हो सकते है। उक्त बात शहर के कोलीपुरा स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री नृसिंह लक्ष्मी मंदिर के तत्वाधान में शनिवार से होने वाले छह दिवसीय महोत्सव को लेकर यहां पर की जा रही तैयारियां के निरीक्षण के दौरान तारा देवी मंदिर के महंत देवगिरि महाराज ने की। इस मौके पर मंदिर की ओर से संत माधव दास महाराज, लक्ष्मी नारायण सवारी के प्रभारी सन्नी सरदार, रजत मुंदडा, यज्ञाचार्य पंडित कुणाल व्यास आदि ने महंत देवगिरि महाराज को शाल श्री फल से स्वागत किया। गुरुवार को तारा देवी मंदिर के महंत देवगिरि ने यहां पर आयोजित मंदिर परिसर में अपने स्वागत में किया कि भव्य पंच कुण्डात्मक श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की मुख्य यजमान नमिता अखिलेश राय के मार्गदर्शन में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। संस्कार मंच के प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने

बताया कि आगामी 25 अप्रैल को शहर में श्रीश्री 1008 महामंडलेश्वर श्री महंत रामभूषण दास महाराज के आह्वान पर देश भर के महंत, महामंडलेश्वर, नागा साधु, कथा वाचक आदि श्री लक्ष्मी नारायण की सवारी में शामिल होने के लिए आ रहे है। मंदिर परिसर में संतों का सम्मेलन दोपहर में किया जाएगा और उसके पश्चात शाम को शहर के छावनी स्थित प्राचीन जगदीश मंदिर से भव्य सवारी निकाली जाएगी। इधर महंत का स्वागत करते हुए प्रभारी सन्नी सरदार ने बताया कि सवारी को लेकर क्षेत्र में उत्साह का वातावरण है और पूरे शहर की महिलाएं सनातन की मजबूती के लिए और विश्व के कल्याण की कामना को लेकर यात्रा में शामिल रहेंगी।

खबर संक्षेप

दिव्यांगों को बस किराए में 50 प्रतिशत छूट

सीहोर। राज्य शासन ने प्रदेश की सभी प्रक्रम बस सेवाओं में दिव्यांग व्यक्तियों को 50 प्रतिशत छूट देने के निर्देश दिये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को यूडीआईडी कार्ड दिखाने पर यह छूट मिल जायेगी। परिवहन आयुक्त द्वारा प्रदेश के सभी क्षेत्रीय, अतिरिक्त क्षेत्रीय एवं जिला परिवहन अधिकारी को निर्देश दिये गये हैं। दिव्यांग व्यक्ति को दिव्यांगजन सक्षम प्राधिकारी के प्रमाण-पत्र के रूप में केन्द्र या राज्य शासन द्वारा जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी. कार्ड प्रस्तुत करने पर किराये में 50 प्रतिशत छूट का लाभ दें।केन्द्रीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा यूनिक आई.डी. फॉर पर्सन विद डिसेबिलिटी (यूडीआईडी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इसमें दिव्यांगों को यूडीआईडी कार्ड दिये जा रहे हैं। कार्ड के माध्यम से दिव्यांग केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। यूडीआईडी कार्ड निर्माण में मध्यप्रदेश देश में पहले स्थान पर है।

निजी फिजियोथेरेपी केंद्रों का अधिनियम के तहत पंजीयन अनिवार्य

सीहोर। शासन द्वारा सभी निजी फिजियोथेरेपी केंद्र का पंजीयन ₹उपचर्यागृह तथा रूजोपचार संबंधी स्थापनाएं (रजिस्ट्रीकरण तथा अनुज्ञापन) अधिनियम, 1973 तथा नियम, 1997 (यथा संशोधित) 2021₹ के अनुसार कराने के निर्देश दिए गए हैं। सीएमएचओ सुधीर डेहरिया ने बताया कि निजी नर्सिंग होम तथा क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट का विनियमन इस अधिनियम के अनुसार किया जाता है, जो कि अनिवार्य है। किसी भी व्यक्ति द्वारा क्लीनिकल एस्टेब्लिशमेंट का संचालन विनियामक अधिनियम अंतर्गत पंजीयन के बिना नहीं किया जा सकता है। बिना पंजीयन के ऐसे निजी केंद्रों का संचालन कर जिले में विनियामक प्रावधानों का उल्लंघन न हो इसके लिए सीएमएचओ ने जिले के सभी निजी फिजियोथेरेपी केंद्रों को अधिनियम के तहत अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं।

जल चौपाल आयोजित

सीहोर। कलेक्टर बालागुरू के. के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा जल प्रबंधन की उचित व्यवस्था एवं जल के समुचित उपयोग के लिए किसानों को जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम रामदासी में जल चौपाल का आयोजन किया गया। जल चौपाल में किसानों को फसलों में उचित जल प्रबंधन एवं जल के समुचित उपयोग की जानकारी दी गई और ड्रिप तथा स्प्रिंकलर का उपयोग करने की सलाह दी गई।

सरकार की "एक शाला एक परिसर" योजना भी यहां पूरी तरह विफल नजर आई, मनमानी और लापरवाही चरम पर

स्कूल चले अभियान की खुली पोल : 425 में से एक भी छात्र नहीं मिला, शिक्षक बोले-शादी-विवाह के कारण नहीं आए

एक शाला एक परिसर में 12 बजे तक बंद मिले ताले, बिना बच्चों के बना मध्यान भोजन, लापरवाही के हवाले शिक्षा व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज ⏭ भैरुंदा

भैरुंदा। एक शाला एक परिसर के मिडिल स्कूल में ताला लगा हुआ

भैरुंदा। मध्यान भोजन व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालते वाली महिलाएं

ग्राउंड रिपोर्ट

हरिभूमि टीम जब सुबह करीब 10:30 बजे स्कूल पहुंची, तो मात्र 3 शिक्षक ही मौजूद मिले। धीरे-धीरे 11:30 से 12 बजे के बीच अन्य शिक्षक पहुंचे और कुल संख्या 12 तक पहुंच पाई, जबकि स्कूल में 27 शिक्षक (शासकीय व अतिथि) पदस्थ हैं। प्राचार्य हरिओम मीना मौके पर अनुपस्थित पाए गए।

जानकारी के अनुसार वे एक प्यून को साथ लेकर सीहोर गए हुए थे। शिक्षकों ने सफाई में बताया कि कुछ स्टाफ जनगणना प्रशिक्षण व समीक्षा बैठक में शामिल है, जबकि एक शिक्षिका शादी-विवाह के कारण अवकाश पर है और दो अतिथि शिक्षक अनुपस्थित रहे।

सरकार की "एक शाला एक परिसर" योजना भी यहां पूरी तरह विफल नजर आई। मिडिल स्कूल का समय पर नहीं खुलना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि जिम्मेदारों को न समय की चिंता है और न ही बच्चों की पढ़ाई की। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि 425 में से एक भी छात्र स्कूल नहीं पहुंचा। शिक्षकों का कहना है कि शादी-विवाह के कारण छात्र अनुपस्थित हैं, लेकिन यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई बताई जा रही है। इसके बावजूद न तो छात्रों को स्कूल लाने के प्रयास किए जा रहे हैं और न ही अभिभावकों से संपर्क किया जा रहा है।

मामले का सबसे गंभीर पहलू मध्यान भोजन व्यवस्था में सामने आया। प्रायमरी (116 छात्र) और मिडिल स्कूल (106 छात्र) में एक भी छात्र उपस्थित नहीं था, इसके बावजूद भोजन तैयार किया गया। भोजन बनाने वाली महिलाओं ने स्वीकार किया कि बच्चों के नहीं आने पर भी भोजन बनाया जाता है, जिसे वे स्वयं खा लेते हैं या आंगनवाड़ी में दे दिया जाता है। यह स्थिति योजना के उद्देश्य और पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। मार्च में परीक्षाएं समाप्त होने के बाद से छात्रों की उपस्थिति नगण्य बताई जा रही है। ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि मार्च और अप्रैल माह के मध्यान भोजन का उपभोग किसने किया। स्कूल को हर माह क्विंटल के हिसाब से गेहूं और चावल उपलब्ध कराया जाता है, लेकिन कर्मचारियों का कहना है कि हाल के महीनों का राशन नहीं मिला। वहीं पूर्व में मिले राशन के उपयोग को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है, जिससे गड़बड़ी की आशंका और गहरा गई है। जहां एक ओर निजी स्कूलों के शिक्षक कम वेतन में भी घर-घर जाकर बच्चों को स्कूल से जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं, वहीं सरकारी शिक्षक 50 से 80 हजार रुपए वेतन पाने के बावजूद अपने दायित्वों से दूरी बनाए हुए हैं। यह तुलना सरकारी शिक्षा व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगाती है। इस पूरे मामले ने "स्कूल चले अभियान" की वास्तविकता को उजागर कर दिया है। 425 छात्रों में से एक भी छात्र का स्कूल नहीं पहुंचना और व्यवस्थाओं का इस स्तर तक चरमराना सीधे तौर पर स्कूल प्रबंधन और शिक्षा विभाग की विफलता को दर्शाता है।

मोबाइल में व्यस्त रहते हैं शिक्षक

शिक्षकों पर यह भी आरोप है कि वे केवल ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर औपचारिकता पूरी करते हैं और फिर स्कूल से गायब हो जाते हैं। कुछ शिक्षक दिनभर मोबाइल में व्यस्त रहते हैं और समय पूरा होते ही स्कूल बंद कर देते हैं। छात्रों की लगातार अनुपस्थिति के बावजूद जिम्मेदारी तय न होना पूरे तंत्र की निष्क्रियता को दर्शाता है।

क्या बोले अधिकारी?

इस संबंध में शिक्षा विकास खंड अधिकारी साक्षी जैन ने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी मीडिया के माध्यम से मिली है। प्राचार्य को नोटिस जारी कर जवाब मांगा जाएगा और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

किसानों की समस्याओं के निराकरण को लेकर भारतीय किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन, त्वरित कार्रवाई की मांग

गेहूं खरीदी, समर्थन मूल्य, गिरदावरी और मुआवजे सहित 13 मांगें रखीं

रेहटी। भारतीय किसान संघ तहसील रेहटी इकाई द्वारा रेहटी तहसील में किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मध्यप्रदेश शासन के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में किसानों ने गेहूं खरीदी व्यवस्था, समर्थन मूल्य, गिरदावरी, फसल नुकसान मुआवजा सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर तत्काल समाधान की मांग की है।

संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में किसानों को गेहूं की तुलाई, स्लॉट बुकिंग, समर्थन मूल्य पर खरीदी और फसल नुकसान के मुआवजे में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों ने मांग की है कि छोटे-बड़े सभी किसानों का एक समान स्लॉट बुक किया जाए तथा गेहूं खरीदी की लिमिट बढ़ाई जाए। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि सोल्ड आउट नीति को बंद किया जाए और पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी को मान्य किया जाए। साथ ही, किसानों की जब्त की गई सामग्री वापस करने, सोसायटी ऋण माफी की तिथि बढ़ाने और अन्य राज्यों की तरह गेहूं खरीदी में समर्थन मूल्य लागू करने की मांग रखी गई है। किसानों ने आरोप लगाया कि खुले बाजार में व्यापारियों द्वारा कम कीमत पर खरीदी की जा रही है, जिससे किसानों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में समर्थन मूल्य से नीचे खरीदी पर रोक लगाने और एमएसपी कानून लागू करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। इसके अलावा, भू-अधिग्रहण मुआवजा, गिरदावरी पंजीयन, फसल क्षति का त्वरित मुआवजा तथा किसानों की अन्य समस्याओं के समाधान की मांग की गई है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि 26 अप्रैल 2026 तक मांगों का निराकरण नहीं हुआ, तो किसान आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

श्रीराम कथा में आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव

सीहोर। यज्ञ भारतीय संस्कृति का एक पवित्र अनुष्ठान है, जो न केवल देवताओं को प्रसन्न कर मनोकामनाएं पूर्ण करता है, बल्कि विश्व कल्याण और पर्यावरण शुद्धि का भी माध्यम है। यह अग्नि में आहुति के माध्यम से मानसिक शांति, उत्तम स्वास्थ्य, और आध्यात्मिक उन्नति प्रदान करता है, जिससे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। उक्त विचार शहर के बस स्टैंड के समीप जयंती कालोनी में जारी भव्य श्री 21 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ के दौरान यज्ञ संचालक पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे ने कहे। इस मौके पर उन्होंने कहाकि श्री हनुमान मंदिर समिति के तत्वाधान में जारी प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव के कारण क्षेत्र पूरी तरह धर्ममय हो गया है। यहां पर सुबह विप्रजनों के अलावा यजमानों के लिए प्रसादी का वितरण किया जा रहा है और वहीं रात्रि को बस स्टैंड क्षेत्र पर नगर भोज का आयोजन निरंतर चल रहा है। नगर भोज में सनातन धर्म के सभी बंधु एक साथ बैठक भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे है। महोत्सव का आयोजन सुबह आठ बजे से यज्ञ शाला में विप्रजनों के मार्गदर्शन में वैदिक परम्परा के साथ किया जाता है और उसके पश्चात दोपहर में कथा व्यास राष्ट्रीय राम कथा व्यास मानस कोकिला महंत डॉ. प्रज्ञा भारती के द्वारा जयंती कालोनी के परिसर में श्रीराम कथा का वाचन किया जाता है, इसके पश्चात रात्रि नौ बजे से रामलीला का मंचन किया जा रहा है।

गुरुवार को महोत्सव में आए संतों, कथा वाचकों और मंहत का यज्ञ संचालक पंडित श्री कटारे बाबा, समिति के अध्यक्ष रुद्र प्रकाश राठौर, यज्ञ संचालक पंडित दीपक शास्त्री, मंदिर के पंडित अनिल शर्मा आदि ने स्वागत किया। इस मौके पर प्रदेश के प्रसिद्ध बोलाई हनुमान मंदिर के महंत का स्वागत भी किया गया।

श्रीराम कथा मनुष्य को मर्यादा में रहना सिखाती : कथा में महंत डॉ. प्रज्ञा भारती ने भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव का वर्णन किया और कहाकि श्रीराम कथा मनुष्य को मर्यादा में रहना सिखाती है। यह जीवन का सही मार्गदर्शन करती है। जो व्यक्ति सच्चे मन से राम कथा सुनता है, उसका लोक और परलोक दोनों सुधर जाते हैं। राजा दशरथ को संतान नहीं थी। वे कुलगुरु वशिष्ठ के पास गए। वशिष्ठ ने श्रृंगी ऋषि से पुत्र कामेष्टि यज्ञ करवाया।

यज्ञ कुंड से प्रकट हुए अग्नि देवता ने राजा दशरथ को खीर दी। राजा ने यह खीर अपनी तीनों रानियों को दी। इसी खीर के सेवन से चारों भाइयों राम, भरत, लक्ष्मण और शत्रुघ्न का जन्म हुआ। भगवान का जन्म असुरों और पापियों का नाश करने के लिए हुआ था। राम ने बचपन से ही असुरों का संहार किया। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का जीवन चरित्र सदियों तक प्रेरणा देता रहेगा। माता-पिता और भाइयों के प्रति उनका प्रेम अमर है।

प्राण-प्रतिष्ठा समारोह कलश यात्रा में शामिल हुए विधायक सुदेश और अरुणा राय

सीहोर। शिवशक्ति यज्ञ एवं पशुपति नाथ महादेव शिव परिवार प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर कस्बा क्षेत्र में गुरुवार को निकाली गई कलश यात्रा में विधायक सुदेश राय और समाजसेविका अरुणा राय सम्मिलित हुए। कलार मोहल्ला कस्बा में पशुपतिनाथ महादेव परिवार प्राण प्रतिष्ठा पं. पृथ्वी वल्लभ दुबे के मंत्रोच्चारण द्वारा सम्पन्न होगा । गुरूवार को प्रायश्चित, पूजन, कलश यात्रा, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, श्री गणेश पूजन एवं प्रतिमा का धान्याधिवास कार्यक्रम आयोजित किया गया। विधायक सुदेश राय और श्रीमती अरुणा राय ने सभी धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर समस्त देवी देवताओं पूजा अर्चना की और भगवान से सभी के कल्याण की प्रार्थना कर धर्म का लाभ अर्जित किया। शुक्रवार को मण्डल देवता आवाहन पूजन, अग्नि स्थापल, हवन प्रारंभ, प्रतिमा का जलाधीवास आरती शाम 6 बजे होगा। महिला मण्डल समिति एवं समस्त सनातनी धर्मप्रेमी बन्धु के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

किसान स्वराज संगठन की बैठक संपन्न, 28 को वाहन रैली और धरना का ऐलान

भैरूंदा। किसान स्वराज संगठन की बैठक 22 अप्रैल को क्षेत्र के किसानों की उपस्थिति में सम्पन्न हुई, जिसमें किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में सर्वसम्मति से तय किया गया कि 28 अप्रैल को दोपहर 12 बजे कृषि उपज मंडी भैरूंदा से बड़ी संख्या में किसानों के साथ वाहन रैली निकाली जाएगी।रैली शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए दुर्गा मंदिर चौराहा (तहसील प्रांगण) पहुंचेगी, जहां किसानों द्वारा अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। संगठन ने अधिक से अधिक किसानों से इस आंदोलन में शामिल होने की अपील की है।बैठक में किसानों की प्रमुख समस्याओं पर चर्चा करते हुए निम्न मांगें रखी गईं—गेहूं तुलाई में स्लॉट बुकिंग, समय निर्धारण एवं भुगतान संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान किया जाए।चना खरीदी केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए।मूंग उपार्जन की घोषणा करते हुए गिरदावरी एवं पंजीयन प्रक्रिया तत्काल शुरू की जाए।गोपालपुर क्षेत्र की नर्मदा उद्वहन परियोजना की जांच कर निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण किया जाए।किसान स्वराज संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

---

1 मई से डोर टू डोर पहुंचकर करेंगे मकान, दुकान और भवनों का सर्वेक्षण

42 पर्यवेक्षक और 242 प्रगणकों को प्रशिक्षण 44 हजार के लगभग मकानों का होगा सर्वे

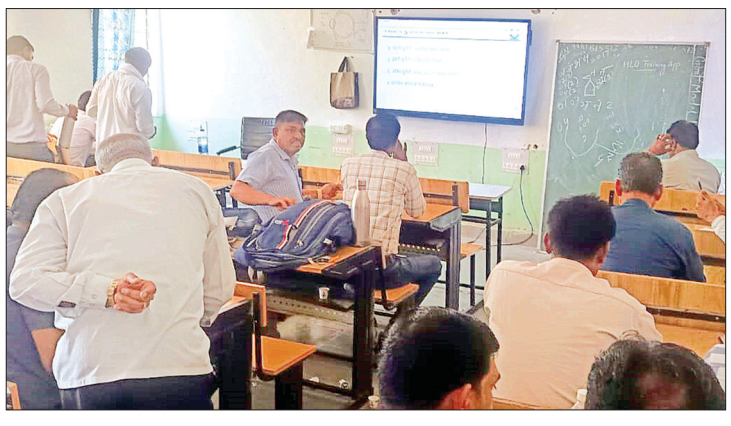

हरिभूमि न्यूज ⏭ इछावर

क्षेत्र में जनगणना 2027 को लेकर प्रशासन द्वारा तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। 16 अप्रैल से शुरू हुई स्व गणना 30 अप्रैल तक चलेगी। इसके बाद 1 मई से डोर टू डोर सर्व शुरू हो जाएगा।

जिसमें प्रगणक द्वारा मकान, दुकान और भवनों की गिनती की जाएगी । डोर टू डोर सर्वे 30 मई तक चलेगा। तहसील क्षेत्र में सर्वे के लिए पर्यवेक्षक और प्रगणकों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। सर्वेक्षण कार्य के लिए 220 प्रगणक व 38 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गये है। जबकि 242 प्रगणकों एवं 38 पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है। शेष को आरक्षित रखा जाएगा।

प्रशिक्षण दो चरणों में पूर्ण किया गया। पहला चरण 15 अप्रैल से 17 अप्रैल एवं दूसरा चरण 21 से शुरू होकर 23 अप्रैल को समाप्त हो गया। मॉडल स्कूल में आयोजित तीन - तीन दिवसीय प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनर्स एस एन वर्मा , कपिल सिंह ठाकुर , अमित सिंह पठारिया , नीरज त्यागी , विश्वास पाटीदार एवं आशीष विश्वकर्मा द्वारा जनगणना के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

जनगणना चार्ज अधिकारी एवं तहसीलदार गजेन्द्र सिंह लोधी ने जानकारी देते हुए बताया कि एक मई से से प्रगणक स्मार्टफोन आधारित मोबाइल एप के जरिए घर - घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। एक प्रगणक के जिम्मे औसतन 200 मकानों अथवा करीब 800 आबादी की गणना का जिम्मा सौंपा जाएगा। औसतन इतने ही मकानों का ब्लॉक बनाया जाएगा। भवनों की गणना शहरी और ग्रामीण दो कैटेगरी में की जाएगी। तहसील क्षेत्र में शहरी और ग्रामीण दोनों को मिलाकर लगभग 44 हजार मकान होने का अनुमान है।

सहायक चार्ज अधिकारी एवं नायब तहसीलदार संतोष धाकड़ का कहना है कि जनगणना का कार्य पूरी तरह से टाइम - बाउंड है। केंद्र सरकार इसकी लगातार मॉनिटरिंग करती है। इसमें किसी भी तरह की देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विश्व पृथ्वी दिवस पर एसएसएसयूटीएमएस में किया गया जागरुकता कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। श्री सत्य साई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मेडिकल साइंसेज़ में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर 22 अप्रैल को तीन दिवसीय कार्यक्रम के प्रथम दिवस का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन कुलपति प्रो. (डॉ.) मुकेश तिवारी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गौरव द्विवेदी, सहायक प्राध्यापक, ऊर्जा, विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग भोपाल ने भारत में ऊर्जा और पर्यावरण की वर्तमान स्थिति विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया।

उन्होंने ऊर्जा संसाधनों के सतत उपयोग, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की चुनौतियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. राजेश शर्मा, डीन इंजीनियरिंग डॉ. राजेंद्र कुशवाह, रिसर्च डायरेक्टर डॉ. मोहित गंगवार, डॉ. निलेश दिवाकर सहित विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. रंजीत कुमार पुसे एवं सह-समन्वयक डॉ. गीता खूबसचंदानी तथा दीपक श्रीवास की सक्रिय भूमिका रही। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

कार्यक्रम के अंत में ईसीई विभाग के सहायक प्राध्यापक देवेंद्र पटले द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। विश्व पृथ्वी दिवस के इस आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

ऐसे बच्चों को शासन की योजनाओं से जोड़ेंगे

भिक्षावृत्ति पर अंकुश लगाने बाल कल्याण समिति ने किया भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

शासन, प्रशासन की मंशा है कि जिले में सभी तरह की भिक्षावृत्ति खासकर बाल भिक्षावृत्ति पर पूरी तरह बंद हो जाए ताकि बच्चे शिक्षा से जुड़कर अपना भविष्य बना सकें। इसीलिए प्रयास किए जा रहे हैं कि बाल भिक्षावृत्ति के कारणों का पता लगाकर इस पर अंकुश लगा दिया जाए। इसी कड़ी में बाल कल्याण समिति एवं महिला बाल विकास विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने भैंसवा माता मंदिर परिसर और आसपास क्षेत्र में भ्रमण किया। इस क्षेत्र में बच्चों द्वारा भिक्षा मांगे जाने के मामले पूर्व में आ चुके थे। टीम ने वहां भिक्षा मांग रहे बच्चों और उनके परिवारजनों से चर्चा कर उन्हें समझाईस दी। साथ ही मंदिर में पूजा करवाने वाले पंडा, पण्डितो के समूह को समझाइश देकर बच्चों को स्कूल से जोड़ने और शासन की योजनाओं से जोड़ने संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

शासन की योजनाओं से जोड़ने का प्रयास

बाल कल्याण समिति अध्यक्ष साकेत शर्मा ने बताया कि कुछ बच्चे मिले है जो उनकी जानकारियां दर्ज की है। बच्चों की माने तो उनमें से लगभग सभी स्कूल जाते हैं। इन बच्चों को शासन की स्पॉन्सर केयर योजना जैसी अन्य शासन की योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। भ्रमण के अवसर पर समिति सदस्य सलमा कुरेशी, संरक्षण अधिकारी रिंकी धाकड़, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वर्षा शर्मा सहित संबंधित लीमा चैहान थाना के पुलिसकर्मी साथ थे।

भिक्षावृत्ति में खो रहा नन्हे मासूमों का भविष्य, जिम्मेदारों की चुप्पी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर बढ़ती आस्था और उमड़ती भीड़ के बीच एक चिंताजनक तस्वीर सामने आ रही है। बिजासन माता मंदिर, भैंसवा माताजी मंदिर सहित अन्य प्रमुख मंदिरों और सारंगपुर सहित क्षेत्र के बाजार क्षेत्रों में बड़ी संख्या में छोटे-छोटे बच्चे भिक्षा मांगते नजर आ रहे हैं। मंदिर परिसरों में ये मासूम कभी श्रद्धालुओं को जबरन टीका लगाकर तो कभी उनके पीछे-पीछे दौड़ते हुए पैसे मांगते दिखाई देते हैं। मंदिर प्रबंधन और सुरक्षाकर्मी समय-समय पर इन्हें हटाने का प्रयास करते हैं, लेकिन कुछ ही देर में ये बच्चे दूसरे स्थानों पर पहुंचकर फिर से वही गतिविधियां शुरू कर देते हैं। इस स्थिति से कई बार श्रद्धालुओं को असहजता का सामना भी करना पड़ता है।भिक्षा मांगने वाले बच्चों के बीच अधिक पैसे पाने की होड़ भी साफ दिखाई दे रही है, जो आपसी प्रतिस्पर्धा का रूप ले चुकी है। इन दिनों शादी सीजन के चलते भैंसवा माताजी स्थित बिजासन धाम पर श्रद्धालुओं की संख्या में खासा इजाफा हुआ है, जिसके साथ ही भिक्षा मांगने वाले बच्चों की सक्रियता भी बढ़ गई है। यहां प्रतिदिन करीब 50 से अधिक बच्चे गिड़गिड़ाते हुए नजर आते हैं। नवरात्र, माघ मेला और अन्य विशेष अवसरों पर इनकी संख्या और अधिक बढ़ जाती है, जिसमें आसपास के गांवों से आने वाले बच्चे भी शामिल होते हैं। यह स्थिति स्पष्ट संकेत देती है कि भिक्षावृत्ति के कारण इन मासूमों का बचपन और भविष्य दोनों प्रभावित हो रहे हैं। बावजूद इसके, इस गंभीर समस्या को लेकर जिम्मेदार विभागों की चुप्पी बनी हुई है, जो चिंता का विषय है।

कलेक्टर ने की सहकारी बैंक शाखाओं की समीक्षा

सीसीबी की सुठालिया शाखा के प्रबंधक को निलंबन का नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

जिला सहकारी बैंक से संबद्ध सभी ब्रांचों में पुराने ऋणों की वसूली में जिम्मेदारों द्वारा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। सालों पुराने ऋण मामलों की रिकवरी में शाखा प्रबंधक लगातार दिए जा रहे निर्देशों के बावजूद ध्यान नहीं दे रहे हैं। ऐसे में बुधवार को वीडिया कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हुई जिला सहकारी बैंक की शाखावार प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा ने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में शिथिलता पर नाराजगी व्यक्त की।

इस दौरान सुठालिया शाखा प्रबंधक की कार्यप्रणाली असंतोषजनक पाए जाने पर उन्हें निलंबन का नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अन्य सभी शाखा प्रबंधकों को कड़े निर्देश दिए गए कि वे कालातीत (ओवरड्यू) ऋणों की वसूली में तेजी लाएं एवं निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की पूर्ति सुनिश्चित करें। कलेक्टर निर्देशित किया कि सभी शाखाएं नवीन सदस्यता में वृद्धि, अमानत (डिपॉजिट) बढ़ाने तथा उपार्जन कार्य को प्राथमिकता देते हुए सप्ताहवार निर्धारित लक्ष्य को हर हाल में पूर्ण करें।

अगली बैठक में पुनः की जाएगी सभी शाखाओं की समीक्षा

उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही या लक्ष्य पूर्ति में कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि आगामी बैठक में पुनः सभी शाखाओं की प्रगति की समीक्षा की जाएगी, जिसमें प्रत्येक शाखा को अपने कार्यों की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करनी होगी। साथ ही उन्हों ने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जिले में सहकारी बैंकिंग व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए।

पड़ाना सरपंच से मारपीट, एससी/एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ सारंगपुर

पड़ाना क्षेत्र में सरपंच के साथ मारपीट का मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससी एसटी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार को फरियादी गोकुल दुगरिया 60 वर्ष निवासी पड़ाना, ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि वह अपने साथी महेश परमार के साथ 21 अप्रैल की रात करीब 9 बजे निपानिया बीका से एक शादी समारोह से लौट रहे थे। इस दौरान गांधी चैक पड़ाना पर महेश को वाहन से उतारकर दोनों चाय पीने जा रहे थे, तभी गांव के ही महेन्द्र पिता खाम सिंह परमार जुझारसिहं परमार,धीरज परमार,बृज परमार वहां पहुंचे और विवाद करने लगे। आरोप है कि आरोपियों ने पंचायत के काम को लेकर मनमानी करने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज शुरू कर दी।

फरियादी ने जब आपत्ति जताई तो आरोपियों ने उसके साथ झूमा-झटकी कर मारपीट की। इस दौरान उसके गाल, छाती और पेट पर लात-घूंसे मारे गए, जिससे उसे चोटें आईं।

आउटसोर्स कर्मचारियों की 17 सूत्रीय मांगें लंबित, ज्ञापन देकर फिर चेताया

हरिभूमि न्यूज ⏭ विदिशा

प्रदेश के विभिन्न विभागों, उद्योगों एवं संस्थाओं में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर भारतीय मजदूर संघ के बैनर तले मुख्यमंत्री के नाम 17 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा गया। यह ज्ञापन डिप्टी कलेक्टर निकिता तिवारी को सौंपते हुए कर्मचारियों ने अपनी प्रमुख मांगों पर शीघ्र कार्रवाई की अपेक्षा जताई। भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख महेंद्र सोनी ने बताया कि प्रदेशव्यापी आव्हान के तहत यह ज्ञापन सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए ठोस नीति बनाकर सामाजिक सुरक्षा एवं उचित वेतन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। मांग पत्र में आउटसोर्स सर्विस सेक्यूरिटी एक्ट अथवा आउटसोर्स निगम मंडल के गठन की मांग प्रमुख रूप से उठाई गई है।

शादी के नाम पर ठगी कर फरार हुई लुटेरी दुल्हन को ब्यावरा पुलिस ने धरदबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ ब्यावरा

पुलिस अधीक्षक अमित तोलानी (भा.पु.से.) अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के.एल. बंजारे एवं एसडीओपी ब्यावरा प्रकाश शर्मा के कुशल निर्देशन में थाना ब्यावरा सिटी पुलिस एवं सायबर सेल की संयुक्त टीम द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए लुटेरी दुल्हन का पर्दाफाश किया गया है। आरोपी सीधे-साधे कुंवारे युवकों को निशाना बनाती थी। शादी का झांसा देकर उनसे जेवरात एवं नकदी प्राप्त कर लेती थी शादी के अगले दिन फरार हो जाती थी।

पुलिस से बचने के लिए वह अपना नाम एवं मोबाइल सिम लगातार बदलती रहती थी। घटना की गंभीरता को दृष्टिगत रखते हुए विशेष टीम गठित कर तकनीकी एवं पारंपरिक पुलिसिंग का सहारा लिया गया घटनास्थलों के आसपास लगे ब्ब्ज्ट कैमरों के फुटेज का विश्लेषण संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों की निगरानी मोबाइल लोकेशन एवं कॉल डिटेल रिकॉर्ड का परीक्षण मुखबिर सूचना के आधार पर दबिश देकर लगभग 01 वर्ष से फरार आरोपिया को दिनांक 20.04.2026 को भोपाल के करोंद क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपिया द्वारा स्वीकार किया गया कि वह पूर्व में भी तीन शादियां कर चुकी है और प्रत्येक बार शादी के अगले दिन फरार हो जाती थी। फरियादी रामगोपाल पिता हजारीलाल वर्मा निवासी ग्राम बाकपुरा, तहसील ब्यावरा जिला राजगढ़ की षिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने लुटेरी दुल्हन दिव्या भवनानी पति हरीश भावनानी, 30 वर्ष, निवासी नारियल खेड़ा, भोपाल दबोचा है। इसमें निरीक्षक वीरेन्द्र धाकड़, उप निरीक्षक जितेन्द्र अजनारे, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र शर्मा, सहायक उप निरीक्षक सीता यादव, प्रधान आरक्षक 680 हेमंत सिंह राजपूत, आरक्षक 307 राहुल मीना, आरक्षक हितेश यादव रहे।

तेज रफ्तार तूफान ने पेशाब करने रुके युवक को कुचला एक की मौत, दूसरा घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बोड़ा

स्थानीय थानांतर्गत ग्राम झाड़पीपल्या में एक तेज रफ्तार तूफान गाड़ी ने दो अलग-अलग सड़क हादसों में एक युवक की जान ले ली और एक अन्य व्यक्ति को गंभीर रूप से घायल कर दिया। जानकारी के मुताबिक देवराज पिता रोडसिंह प्रजापति 20 वर्ष निवासी कचनारिया थाना ब्यावरा पचोर स्थित एक कैंटीन में मजदूरी का काम करता था। वह अपनी टीम के साथ कुरावर क्षेत्र में एक शादी समारोह से काम निपटाकर पिकअप वाहन से वापस पचोर लौट रहा था। सफर के दौरान झाड़पीपल्या के पास देवराज और उसके साथी बाथरूम के लिए रुके। देवराज वाहन से उतरकर सड़क किनारे खड़ा था, तभी अचानक एक अनियंत्रित तेज रफ्तार तूफान कार आई और उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि देवराज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हैरानी की बात यह है कि युवक को टक्कर मारने के बाद भी चालक ने गाड़ी नहीं रोकी। थोड़ी दूर आगे जाने पर इसी तूफान गाड़ी ने वेयर हाउस के चैकीदार ''मोहर सिंह (55 वर्ष)'', पिता देवीलाल वर्मा, निवासी झड़पीपलिया को भी अपनी चपेट में ले लिया। मोहर सिंह उस वक्त पैदल जा रहे थे। इस टक्कर में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही बोड़ा थाना की ''डायल 112'' की टीम मौके पर पहुंची। आरक्षक विनोद अहिरवार और पायलट दिलीप रुहेला ने तुरंत मोर्चा संभाला और मृतक देवराज व घायल मोहर सिंह को पचोर अस्पताल पहुँचाया। अस्पताल पहुँचने पर डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद देवराज प्रजापति को मृत घोषित कर दिया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है। मोहर सिंह वर्मा का उपचार अस्पताल में जारी है, उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है।

बोड़ा थाना पुलिस ने इस मामले को संज्ञान में लेकर जांच शुरू कर दी है। टक्कर मारकर भागने वाली तूफान गाड़ी और उसके चालक की तलाश की जा रही है। इस घटना के बाद मृतक के गांव कचनारिया में शोक की लहर दौड़ गई है। यह घटना हमें याद दिलाती है कि सड़क किनारे वाहन खड़ा करते समय या उतरते समय अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए, क्योंकि तेज रफ्तार वाहन अक्सर काल बनकर सामने आते हैं।यह घटना बुधवार अल सुबह 4 बजे की बताइ जा रही है।

नकबजनी गिरोह का पर्दाफाश, 3 आरोपी गिरफ्तार, 1.08 लाख का माल बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ कुरावर

थाना पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने घरों में नकबजनी करने वाले एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से चोरी गए 50 हजार रुपये नगद एवं 6 हजार रुपये कीमत के गुटखा पाउच सहित कुल 1 लाख 8 हजार रुपये का शत-प्रतिशत मशरूका बरामद किया गया है।

क्या है पूरा मामला ?

12-13 अप्रैल 2026 की दरमियानी रात अज्ञात चोरों ने फरियादी पप्पू राठौर निवासी आनंद वेयरहाउस के सामने, नरसिंहगढ़ रोड कुरावर स्थित घर के ताले तोड़कर 50 हजार रुपये नगद एवं गुटखा पाउच चोरी कर लिए थे। मामले में थाना कुरावर में अपराध क्रमांक 113ध्2026 धारा 303(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था। पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में दो विशेष टीमें गठित की गईं। एक टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की, जबकि दूसरी टीम ने क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। साइबर सेल की सहायता से तकनीकी साक्ष्य जुटाकर संदेहियों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। जिसमें लोकेंद्र मीणा (28), निवासी बैरागढ़ खुमान, थाना श्यामपुर, समीर खान (21), निवासी बड़नगर, थाना कुरावर, जुबेर खान (21), निवासी बड़नगर, थाना कुरावर शामिल है। तीनों आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र सिंह मावई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने सराहनीय भूमिका निभाई। टीम में उप निरीक्षक सहित प्रधान आरक्षक एवं आरक्षकों के साथ अन्य पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने आमजन से अपील की है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत नजदीकी थाने को दें, ताकि समय रहते अपराधों पर अंकुश लगाया जा सके।

राम जानकी मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा की साहू समाज ने निकाली कलशयात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नरसिंहगढ़

नगर के बड़े बाजार में स्थित राम जानकी मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा को लेकर साहू समाज ने तीन दिवसीय आयोजन रखे गए हैं। इस उपलक्ष में साहू समाज द्वारा बुधवार को नगर में कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा सुबह 9 बजे शुरू हुई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन व श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

यात्रा साहू समाज धर्मशाला से ढोल-नगाड़ों की धुन के साथ कलश यात्रा प्रारंभ हुई जोकि नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए बड़े बाजार राम जानकी मंदिर पहुंची। समाजजन मां कर्मा देवी के नारे लगाते हुए चल रहे थे। महिलाएं अपने सिर पर कलश धारण कर मंगल गीत गा रही थीं । कलश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने यात्रा का स्वागत किया। कलश यात्रा में साहू समाज अध्यक्ष भगवानदास मुन्ना साहू, उपाध्यक्ष हरिनारायण साहू, सचिव एडवोकेट संजय साहू, जमात मंदिर महंत दीपेंद्र दास, आचार्य रवि शर्मा, झाली आश्रम गुरुजी राघवेंद्र शर्मा, सतगुरु आश्रम प्रफुल्ल महाराज, रामबाबू साहू, पूनमचंद साहू, अरविंद साहू, मनोज साहू, दिनेश साहू सहित कई सामाजिक बंधु शामिल रहे।

पत्नी की हत्या के दोषी पति को आजीवन कारावास

गुना। पत्नी की हत्या के मामले में सत्र न्यायाधीश गुना अमिताभ मिश्र ने आरोपी पति को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही आरोपी पर 2 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। मध्यप्रदेश राज्य की ओर से इस प्रकरण में पैरवी लोक अभियोजक अलंकार वशिष्ठ द्वारा की गई।अभियोजन के अनुसार 3-4 नवंबर 2025 की मध्यरात्रि ग्राम कांदई, थाना म्याना निवासी सूर सिंह भिलाला ने अपनी पत्नी रेशमबाई के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी थी।4 नवंबर 2025 को फरियादी सुरेश भिलाला को उसकी बुआ सायदी बाई ने फोन पर सूचना दी कि उसकी छोटी बुआ रेशमबाई की उसके पति ने मारपीट कर हत्या कर दी है। सूचना मिलने पर परिजन गांव पहुंचे, जहां रेशमबाई खटिया पर मृत अवस्था में मिलीं।

कलेक्टर के निरीक्षण में अधिकारियों ने जताई मंशा

बड़ा महल में स्थानांतरित हो सकता है राजगढ़ संग्रहालय

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजगढ़

कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा ने बुधवार को मुख्यालय स्थित जिला पुरातात्विक संग्रहालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संग्रहालय में प्रदर्शित पुरातात्विक धरोहरों का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में संग्रहालय की चार दीर्घाओं (गैलरी) में 64 प्रमुख प्रतिमाएं प्रदर्शित हैं, जबकि लगभग 100 प्रतिमाएं परिसर में प्रदर्शित की गई हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 300 प्रतिमाएं सुरक्षित रूप से संग्रहित रखी गई हैं।

उन्होंने निर्देशित किया कि संग्रहालय में आगंतुकों की संख्या बढ़ाने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए तथा जनसामान्य के लिए इसे अधिक आकर्षक एवं जानकारी पूर्ण बनाया जाए। संग्रहालय को बड़ा महल में स्थानांतरित करने के प्रस्ताव पर कलेक्टर ने संबंधित विभाग से चर्चा करते हुए आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजगढ़ जिले की समृद्ध पुरातात्विक विरासत को संरक्षित करते हुए व्यवस्थित रूप से जनमानस के समक्ष प्रस्तुत किया जाना आवश्यक है।

संग्रहालय में 10वीं शताब्दी तक की धरोहरें

उल्लेखनीय है कि राजगढ़ का इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है जिसमें 10वीं, 12वीं शताब्दी से लेकर जैन काल, मुगल काल एवं उमठ-परमार वंश तक की बहुमूल्य धरोहरें शामिल हैं। इन सभी ऐतिहासिक धरोहरों को एकत्रित कर "बड़ामहल" में व्यवस्थित रूप से प्रदर्शित किए जाने की कार्ययोजना पर काम किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान एसडीएम निधि भारद्वाज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

आचार्य चंदना महाराज का देवलोक गमन

आष्टा। महासाध्वी आचार्य चंदना महाराज का महाप्रयाण बुधवार 22 अप्रैल को महाराष्ट्र के सांस्कृतिक महानगर पूणे में हो गया। भारत सरकार ने उनके लेखन कृतित्व, वैश्विक विषयों पर तार्किक व्याख्यान, विश्वशांति के लिए जैन धर्म की समीचीनता सहित सांस्कृतिक उत्थान के लिए किए गए प्रयासों के चलते उन्हें पद्मश्री से भी सम्मानित किया था। पूज्य चंदना जी महाराज साहब का धर्म वृध्दि आशीर्वाद हमे और हमारे सभी आष्टावासी श्रावकों को उनकी विदुषी शिष्याद्वय पूज्य दिव्य पूर्णा जी एवं पूज्य शाश्वत पूर्णा जी महाराज सा. के मांगलिक हितोपदेश और जैन धर्म के गूढ़ विषयों और लोक व्यवहार पर प्रवचनों के माध्यम से निरन्तर मिलता रहा है। दोनों साध्वी गण अपने मध्यप्रदेश के प्रवास में ग्राम किलेरामा स्थित आवास पर विराजती रही हैं। दिवंगत साध्वी चंदना महाराज साहब की सल्लेखना समाधी अत्यंत ही शांतिपूर्वक और निराकुलता से हुई। उन्होंने संत सुलभ सभी गुण और चर्याओं का पालन करते हुए महाप्रयाण किया। उक्त जानकारी साझा करते हुए पूर्व नपाध्यक्ष कैलाश परमार ने दिवंगत आचार्य चंदना महाराज साब को विनयपूर्वक श्रद्धान्जलि अर्पित की। उनका अंतिम संस्कार पुणे में 24 अप्रैल को होगा।

जनगणना कार्य 2027 के लिए प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण दिया

डिजिटल माध्यम का उपयोग, जनगणना में तकनीकी नवाचारों पर जोर दिया गया

प्रगणकों को निर्देश दिए गए कि वे घर-घर जाकर डेटा संकलन में पूर्ण शुद्धता और गोपनीयता बनाए रखें।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जावर

जावर नगर में भारत सरकार की आगामी जनगणना के सुचारू संपादन हेतु स्थानीय प्रशासन द्वारा कमर कस ली गई है। इसी क्रम में जावर नगर में प्रगणकों और पर्यवेक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ किया गया।प्रशिक्षण के मुख्य बिंदु सटीक डेटा का महत्व प्रशिक्षण सत्र के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जनगणना राष्ट्र के विकास की नींव होती है। प्रगणकों को निर्देश दिए गए कि वे घर.घर जाकर डेटा संकलन में पूर्ण शुद्धता और गोपनीयता बनाए रखें। डिजिटल माध्यम का उपयोग इस बार की जनगणना में तकनीकी नवाचारों पर जोर दिया गया है। प्रशिक्षण में मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा प्रविष्टि करनेए मैप्स को समझने और डिजिटल फॉर्म भरने का व्यावहारिक अभ्यास कराया जा रहा है।

प्रश्नावली का विवरण प्रगणकों को परिवार के सदस्यों की संख्याए शिक्षाए आवास की स्थितिए और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित विभिन्न सवालों के सही तरीके से पूछने के कौशल सिखाए गए।अधिकारियों का मार्गदर्शनः- तहसीलदार ओमप्रकाश चोरमा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी हरीष कुमार सोनी द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य प्रशिक्षकों ने कहा जनगणना केवल सिरों की गिनती नहीं है, बल्कि यह भविष्य की योजनाओं के निर्धारण का आधार है। प्रत्येक पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी है कि वे अपने अधीन आने वाले ब्लॉक की मॉनिटरिंग मुस्तैदी से करें ताकि कोई भी परिवार छूटने न पाए।

आगामी कार्ययोजना

यह प्रशिक्षण सत्र आगामी तीन दिनों तक चलेगा, जिसमें सैद्धांतिक जानकारी के साथ.साथ फील्ड वर्क का डमी अभ्यास भी कराया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण होने के पश्चात सभी कर्मियों को सामग्री किट वितरित की जाएगी और वे अपने निर्धारित क्षेत्रों में कार्य प्रारंभ करेंगे। नगर प्रशासन ने समस्त नागरिकों से अपील की है कि जब प्रगणक उनके घर पहुँचेंए तो उन्हें सही जानकारी देकर राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपना सहयोग प्रदान करें। उक्त प्रषिक्षण कार्याक्रम में परिवेक्षक मास्टर ट्रेनर नितिन कुमार कौषल, राजेन्द्र बरेठा, हरिओम सोलंकी, एवं कमलेष सोनी, हेमंत परिहार, प्रदीप गेहलोत, मनोहर मालवीय, आदि द्वारा प्रषिक्षण की व्यवस्थाएं सुनिष्चित की जा रही है।

श्री नीलकंठेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 29 से होगा

2 मई को निकालेंगे कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

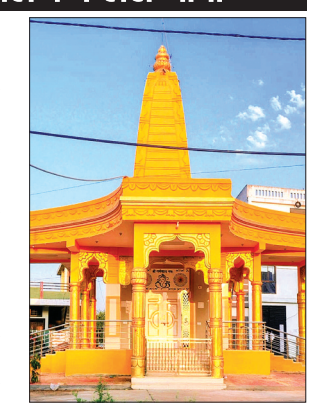

नगर की रॉयल कॉलोनी बायपास चौपाटी, शुजालपुर रोड में बाबा महाकाल की असीम कृपा से पांच दिवसीय श्री नीलकंठेश्वर महादेव प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन 29 अप्रैल बुधवार से 3 मई रविवार तक किया जा रहा है। आयोजन समिति द्वारा समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं को इस पुण्य अवसर पर सादर आमंत्रित करते हुए धर्म लाभ लेने और जीवन को सार्थक बनाने का आह्वान किया गया है। महोत्सव के अंतर्गत प्रतिदिन प्रातः 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक एवं दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक हवन एवं धार्मिक अनुष्ठान संपन्न होंगे। कार्यक्रम स्थल रॉयल कॉलोनी, बायपास चौपाटी पर रखा गया है। आयोजन के प्रथम दिन 29 अप्रैल बुधवार को प्रायश्चित कर्म, पंचांग पूजन एवं मंडप प्रवेश प्रातः 10 बजे से प्रारंभ होगा। दूसरे दिन गुरुवार को अन्नाधिवास, देव पूजन, अधिवासन व जलाधिवास के कार्यक्रम होंगे। तीसरे दिन 1 मई शुक्रवार को नित्य पूजन, हवन, जलाधिवास एवं पूर्णाहुति सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे।चौथे दिन 2 मई, शनिवार को नित्य पूजन, हवन,प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व पूजन, ध्वजारोहण एवं कलश यात्रा का आयोजन किया जाएगा। वहीं अंतिम दिन 3 मई, रविवार को नित्य पूजन, हवन, प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति, प्रथम दर्शन एवं महाआरती के साथ महोत्सव का समापन होगा। इसी दिन सायं 4 बजे पूर्णाहुति एवं महाप्रसादी का वितरण किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में यज्ञाचार्य पं. भरत व्यास के मार्गदर्शन में समस्त अनुष्ठान संपन्न होंगे, जबकि यज्ञ ब्रह्मा के रूप में पं. विनोद भारद्वाज सेवाएं देंगे। आयोजन समिति ने बताया कि यह आयोजन समस्त रॉयल कॉलोनी वासियों के सहयोग से किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। समिति ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से उपस्थित होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है।

हाईस्कूल की परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का विद्यालय में सम्मान समारोह आयोजित किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

आपके विद्यार्थी जीवन का एक पड़ाव पूर्ण हो चुका है तथा आप आपको उच्च शिक्षा के लिये विषय चयनित करना है। आपके द्वारा चुना गया विषय ही आपका भविष्य तय करेगा, इसलिये कक्षा 11 में अपने विषय का चयन सोच - समझकर करें। आपकी जिस विषय में रूचि हो जो आप पूरी लगन और मेहनत के साथ पढ़ सकें उसी विषय का चयन करें। किसी के दबाव में आकर या अपने दोस्तो को देखकर अपना विषय न चुने। उक्त सलाह मार्टिनेट विद्यालय के प्रबंधक विनीत कुमार त्रिवेदी द्वारा कक्षा 10 में उत्तीर्ण हुये विद्यार्थियों के लिये आयोजित सम्मान समारोह में दी गई।

नोशे खान के संचालन में नगर के अलीपुर क्षेत्र में स्थित मार्टिनेट कॉन्वेन्ट हायर सेकेण्डरी स्कूल का इस वर्ष का हाई स्कूल परीक्षा परिणाम 79.68 प्रतिशत रहा तथा विद्यालय के लिये गौरव की बात यह रही कि कक्षा 10 की छात्रा सानिया मंसूरी नें इस परीक्षा में 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करके जिला मेरिट में अपना स्थान बनाया। सानिया की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि उसने बिना अतिरिक्त कोचिंग के केवल स्कूल के कुशल शिक्षक/शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में ही यह करके दिखाया। छात्रा नें अपनी इस सफलता का पूरा श्रेय विद्यालय की श्रेष्ठ टीम को देते हुये कहा कि मार्टिनेट विद्यालय में शिक्षा की गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जाता है। विद्यार्थी यदि नियमित रूप से विद्यालय में उपस्थित होता है तो विद्यालय के शिक्षक/शिक्षिकाओं द्वारा जिस प्रकार से तैयारी करवाई जाती है और मार्गदर्शन दिया जाता है वह उच्च अंक लाने के लिये पर्याप्त है और इसका उदाहरण मैं स्वयं हूं जिसने विद्यालय की पढ़ाई पर पूरा भरोसा करते हुये अन्य कोचिंग संस्थानों में समय नष्ट न करते हुये अपने टीचर्स के निर्देशानुसार पढ़ाई की और परिणाम आप सभी के सामनें है। इसके लिये में मार्टिनेट विद्यालय का आभार व्यक्त करती हूं। परीक्षा परिणाम के पूर्व ही विद्यालय के प्रबंधक महोदय द्वारा मेरिट में अपना स्थान बनाने पर विद्यार्थी के लिये नकद पुरस्कार की घोषणा की गई थी। विद्यालय की प्राचार्या प्रीति त्रिवेदी नें बताया कि विद्यालय में सभी कक्षाओं में सफल विद्यार्थियों के लिये एक बड़े स्तर पर पुरस्कार वितरण समारोह जून माह में आयोजित किया जायेगा। जिसमें घोषणा के अनुसार सानिया मंसूरी को रूपये पॉच हजार का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया जायेगा। समारोह में सानिया मंसूरी के साथ उपस्थित हुये कक्षा 10 के अन्य सफल विद्यार्थी ईशा मेवाड़ा, मो. जैद अंसारी, युवराज गोस्वामी, किरण बंजारिया, सबिया मंसूरी, खुशनुमा नाज, सना मंसूरी, फिजा फातिमा एवं जोया खान का भी पुष्पमाला पहनाकर एवं मिठाई खिलाकर उप-प्राचार्या शिखा तिवारी सहित विद्यालय के प्रबंधक मण्डल रेखा शर्मा, अतुल जैन सुराणा, कुशल भूतिया, राखी यादव एवं रचना ठाकुर द्वारा स्वागत किया गया एवं बधाई तथा शुभकामना प्रेषित की गई।

मनुष्य पर्याय ही आत्मकल्याण का एकमात्र मार्ग, धर्म में बाधा बने तो होता कर्मबंधः मुनि संस्कार सागर महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर में विराजमान आचार्य विनिश्चय सागर मुनिराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि संस्कार सागर मुनिराज ने अपने प्रवचनों में आत्मकल्याण का गूढ़ संदेश देते हुए कहा कि मनुष्य पर्याय के अलावा किसी भी अन्य पर्याय में मोक्ष संभव नहीं है।

इसलिए मानव जीवन का सदुपयोग करते हुए धर्म, संयम और साधना के मार्ग पर अग्रसर होना चाहिए। प्रवचन की जानकारी देते हुए समाज के नरेन्द्र गंगवाल ने बताया कि मुनिश्री ने कहा कि वर्तमान काल विपरीत होते हुए भी जो जीव भगवान महावीर एवं पार्श्वनाथ की भक्ति, आराधना एवं देशना का श्रवण कर रहे हैं, वे वास्तव में सौभाग्यशाली और पुण्यशाली हैं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि धर्म के कार्यों में बाधा डालने से कर्मबंध होता है, जिसका फल व्यक्ति को स्वयं भोगना पड़ता है। इस लिए जो साधना मार्ग पर अग्रसर हैं, उन्हें रोकने के बजाय प्रोत्साहित करना चाहिए। प्रवचन के दौरान मुनिश्री ने बताया कि संसार में तीन प्रकार के ज्ञानी जीव होते हैं। कई लोग स्वयं को ज्ञानी मानते हैं, लेकिन उनके कर्म अज्ञानियों जैसे होते हैं। ऐसे में आवश्यक है कि व्यक्ति अपने आत्महित को समझे और वास्तविक ज्ञान की ओर अग्रसर हो।

संसार में तीन प्रकार के अज्ञानी जीव हैं। मुनिश्री संस्कार सागर मुनिराज ने कहा कि अधिकांश लोग परिवार और संसार की वृद्धि को ही अपना कर्तव्य मान लेते हैं, जबकि वास्तविक कर्तव्य आत्मकल्याण करना है। परिवार के मोह-जाल में फंसकर मनुष्य अपने मूल उद्देश्य को भूल जाता है, जो कि मुक्ति की ओर बढ़ना है। मुनिश्री ने कहा कि स्वर्ग, नरक और पशु योनि में संयम धारण करने की क्षमता नहीं होती। केवल मनुष्य पर्याय ही ऐसा दुर्लभ अवसर है, जिसमें संयम, तप और साधना के माध्यम से आत्मकल्याण संभव है। इस दुर्लभ अवसर को पहचानकर व्यक्ति को अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जब भी कोई महान आत्मा जन्म लेती है, तो उसकी पूर्व सूचना संकेतों के रूप में मिलती है, जैसे भगवान महावीर के जन्म से पूर्व माता त्रिशला को 16 शुभ स्वप्न प्राप्त हुए थे। मुनिश्री ने कहा कि जो व्यक्ति स्वयं धर्ममार्ग पर नहीं चल पा रहा, उसे भी दूसरों को आगे बढ़ने से नहीं रोकना चाहिए। धर्म कार्यों में बाधा बनने से कर्मबंध होता है, जो भविष्य में अहितकारी सिद्ध होता है। इसके विपरीत, धर्म में सहयोग करने से पुण्य की प्राप्ति होती है और आत्मा की उन्नति होती है।

उन्होंने राजा श्रेणिक का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्होंने भगवान महावीर से समोशरण में बैठकर 60 हजार प्रश्न किए, जो केवल जिज्ञासा नहीं बल्कि आत्मकल्याण की भावना से प्रेरित थे। अंत में मुनिश्री ने संदेश दिया कि मनुष्य को नाम, यश और प्रतिष्ठा के मोह से ऊपर उठकर मोक्ष, कर्मक्षय और आत्मशुद्धि की भावना के साथ जीवन जीना चाहिए। यही सच्चा पुरुषार्थ है और यही जीवन को सफल बनाने का मार्ग है।

आस्था और उत्साह के साथ भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव मनाया

सीहोर। हर साल की तरह इस साल भी अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वाधान में भगवान चित्रगुप्त का प्रकटोत्सव आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर शहर के शुगर फैक्ट्री स्थित मंदिर में पूजन और अभिषेक का आयोजन किया गया था और उसके पश्चात भगवान श्री चित्रगुप्त की पूजा अर्चना की गई। गुरुवार की सुबह पूर्ण विधि-विधान से विशेष अभिषेक किया गया था और शाम को मंदिर परिसर में छप्पन भोग की प्रसादी का वितरण किया गया। इस संबंध में जानकारी देते हुए महासभा के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार सक्सेना ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त प्रकटोत्सव गुरुवार को शहर के शुगर फैक्ट्री स्थित मंदिर में मनाया गया था, इस दौरान यहां पर सुबह भगवान का विशेष अभिषेक किया गया, उसके पश्चात शाम को विशेष आरती, पूजन और भोग लगाया गया। इस मौके पर समिति के संरक्षक रमेश सक्सेना, शैलेंद्र श्रीवास्तव, महेश श्रीवास्तव, अविनिश श्रीवास्तव, सौरभ खरे, एसडी सक्सेना, संजय श्रीवास्तव, शक्ति श्रीवास्तव, अजय सक्सेना, मनोज सक्सेना और विवेक सक्सेना आदि अनेक समाजजन उपस्थित थे।
उन्होंने बताया कि कायस्थ समाज के द्वारा प्रकटोत्सव पूरी आस्था के साथ मनाया जाता है। वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को गंगा सप्तमी मनाई जाती है। इसी दिन चित्रगुप्त प्रकटोत्सव पर्व भी मनाया जाता है। चित्रगुप्त जयंती का त्योहार कायस्थ वर्ग में अधिक प्रचलित है। क्योंकि चित्रगुप्त जी को वह अपना ईष्ट देवता मानते हैं। दरअसल भगवान चित्रगुप्त का जन्म ब्रह्मा के अंश से हुआ है। वह यमराज के सहयोगी हैं। जो जीव जगत में मौजूद सभी का लेखा-जोखा रखते हैं। चित्रगुप्त के जन्म की कथा काफी रोचक है। जब यमराज ने अपने सहयोगी की मांग की, तो ब्रह्मा ध्यान में चले गए।

ग्राम पंचायत लोरस कला में विकास कार्यों का भूमिपूजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

आष्टा विधानसभा क्षेत्र के भाजपा के मैना मंडल में आने वाली ग्राम पंचायत लोरस कला में आज विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने ग्राम में होने वाले तीन बड़े विकास कार्यों का भूमि पूजन सभी जनप्रतिनिधियों की उपस्तिथि में विधि विधान से किया । विधायक इंजीनियर ने ग्राम में 25 लाख से बनने वाले सामुदायिक भवन,20 लालच से बनने वाली सीसी रोड,ग्राम छापरी में 20 लाख से बनने वाले टीन शेड,50 हजार से बनने वाले चबूतरे निर्माण का भूमिपूजन किया । आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा की देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने एवं मप्र के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने देश एवं प्रदेश को 2047 तक विकसित भारत एवं विकसित मप्र बनाने का लक्ष्य तय किया है । ये लक्ष्य तभी पूर्ण होगा जब प्रत्येक ग्राम हमारा विकसित होगा । श्री इंजीनियर ने कहा की हम सब विकास कार्यो के माध्यम से विकसित भारत एवं मप्र के इस ही लक्ष्य को पूर्ण करने में जुटे है। हमारी सरकार रोटी, कपड़ा, मकान, स्वास्थ, शिक्षा के क्षेत्र में लगातार कार्य कर ग्रामो के विकास में जुटी है। विधायक ने अपना संकल्प दोहराया की विधानसभा क्षेत्र का हर गांव का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। आष्टा विधानसभा के हर मंडल में, हर पंचायत तक विकास पहुंचाना मेरा संकल्प है। आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला जिला पंचायत उपाध्यक्ष जीवन सिंह मंडलोई ने की। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में मंच पर मंडल अध्यक्ष सुनील आर्य, जनपद सदस्य ज्ञान सिंह मंडलोई,रामचंद्र परमार बगड़ावदा, कमल सिंह यादव हुसैनपुर खेड़ी, देवराज ठाकुर खामखेड़ा बैजनाथ, लखन मेवाड़ा मंडल मंत्री छापरी, जनपद सदस्य ज्ञान सिंह मंडलोई,लोरास कला के सरपंच रमेश डिंगोदिया,पूर्व जनपद सदस्य सूरज मेवाडा सहित अनेक सरपंच एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन भूमिपूजन कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्तिथ रहे ।

विधायक कार्यालय में जनसुनवाई में लोगों ने समस्याएं बताई

नागरिकों ने बताई समस्याएं, मांग पत्र सौंपे

हरिभूमि न्यूज ⏭ आष्टा

विधायक कार्यालय में प्रत्येक बुधवार को होने वाली जनसुनवाई हुई। नगर एवं ग्रामो से आये नागरिको ने जनसुनवाई में पहुच कर विधायक को अपनी अपनी समस्याओं से मांगो से अवगत कराया और मांग पत्र सौपे। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने आज जनसुनवाई में आये सभी नागरिको की वन टू वन मिल कर समस्याओं को सुना।

स्मरण रहे प्रत्येक बुधवार को आष्टा विधायक अपने कार्यालय में सुबाह 10 बजे से जनता की समस्याओं को सुनने,उनेह हल करवाने के लिये जनसुनवाई करते है। बुधवार को प्रातः 10 बजे से कार्यालय में उपस्तिथ रह कर विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने जनता की समस्याओं को सुना एवं उनकी समस्याओं को हल करने के सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिये । आष्टा विधायक गोपालसिंह इंजीनियर जो की हर बुधवार को अपने कार्यालय में जन सुनवाई कार्यक्रम के तहत उपस्तिथ रहते है । आज भी बड़ी संख्या में क्षेत्र से नागरिक जनसुनवाई में पहुचे एवं अपनी अपनी पीड़ा से विधायक को अवगत कराया एवं आवेदन दिये। जनता से प्राप्त आवेदनों पर विधायक ने कहा की आपका जन सेवक होने के नाते आपकी समस्याओं को सुनना, हल करना मेरा धर्म है। आज आये आवेदनों को तत्काल सम्बंधित विभागों के अधिकारियों से चर्चा कर ग्रामीणों की समस्याओं का समय सीमा में तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिये। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कार्यालय आये सभी नागरिको को भरोसा दिया कि आपकी समस्याओं का जल्द निराकरण होगा,जो मांग शासन स्तर की है उनेह वे शासन तक पहुचायेंगे।

विधायक कार्यालय से जानकारी देते हुए बताया की आज जनसुनवाई में सफाई कर्मचारी के पद पर नियुक्ति के संबंध में, प्रधानमंत्री आवास दिलाने, वृद्धावस्था पेंशन दिलाने, जल समस्या के समाधान हेतु ग्राम निमावरा एवं अबदुल्लापुरा में नवीन हेन्ड पम्प स्थापित कराने,वाहन चालक के पद पर नियुक्ति करवाने,ग्राम टिटोरिया में मांगलिक भवन स्वीकृत करने, मुक्तिधाम निर्माण कराने एवं बाबारामदेव मंदिर पर शिखर बनवाने, स्वैच्छिक स्थानान्तरण करने, आयुष्मान कार्ड बनवाने, सहित अन्य आवेदन प्राप्त हुए। सभी आई शिकायतें, मांगो एवं आवेदनों को सम्बंधित विभागों को निराकरण हेतु निर्देश दिये है।

विभागों की आई समस्याओं को लेकर मौके से ही सम्बंधित विभाग के अधिकारियों को आई समस्याओं के निराकरण करने के निर्देश दिये,कुछ आवेदन निराकरण हेतु सम्बंधित विभागों को भेजे गये ।

सीवन पुत्र और सीवन योद्धाओं को मिली सफलता, जलाशय हुआ तैयार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सीहोर

गुरुवार को सीवन पुत्र और सीवन योद्धा एक संकल्प लेकर उतरे की आज कुछ भी हो जाए दूसरा जलाशय जो नए तथा पुराने पुल के बीच बन रहा है। उसका काम आज पूर्ण करना है और यह संकल्प आज कहीं ना कहीं पूरा हुआ। जैसे ही 5 बजे दूसरा जलाशय पूरी तरह से तैयार मिला। जलकुंभी का जरा सा भी अंश देखने को जलाशय में नहीं मिला। गुरूवार को 45 डिग्री तापमान में जिस तरह का उत्साह सीवन पुत्र और सीवन योद्धाओं में देखने को मिला उससे शहर वासी तथा क्षेत्र वासियों की उम्मीद जागी है और भी कई गुना बढ़ चुकी है। इस समय पूरा देश सीवान की चर्चा कर रहा है और सीवान अभियान कहीं ना कहीं पूरे भारत की नदियों को मूल स्वरूप में लाने में सहायक सिद्ध होगा। सीवन पुत्र प्रदीप चावड़ा ने बताया है कि यह जो सीवन अभियान है। यह पूरे भारत में लागू सोमवार से हम करने वाले हैं। सीवन पुत्र के बाद गंगा पुत्र, कावेरी पुत्र, गोदावरी पुत्र, यमुना पुत्र, नर्मदा पुत्र, ब्रह्मपुत्र और भी बड़ी नदियों के लिए पुत्र एवं पुत्री बनाने जा रहे है । गुरूवार की सुबह राजकुमार सोनी भूरा भैया 8 बजे ही सीवन घाट पर पहुंच गए और उन्होंने मार्गदर्शन के रूप में एक संकल्प दिलाया। सभी सीवन योद्धाओं का सम्मान राम मंदिर, सीहोर बस स्टैंड पर किया गया। इस अवसर पर सीवन पुत्र मुकेश राय, कैलाश चौहान, प्रकाश यादव, राजकुमार सोनी,वैभव राठौर, विल्सन जैन, जगदीश वर्मा, कमल नाविक, श्याम नाविक, जितेंद्र वर्मा, राकेश शर्मा, विनोद यादव, रतन माली, अशोक केवट आदि उपस्थित रहे।